# औद्योगीकरण का युग Important Questions || Class 10 Social Science (History) Chapter 4 in Hindi ||

## 1 अंक वाले प्रश्न

**प्रश्न 1 19वीं सदी में किस देश में उद्योगपतियों द्वारा मशीनों का प्रयोग किया जाता था ?**

**उत्तर:** अमेरिका

**प्रश्न 2 कौन से दशक में इग्लैण्ड में कारखाने खुले ?**

**उत्तर:** 1730 के दशक में

**प्रश्न 3 गुमाश्ता कौन थे जिनको भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी ने तैनात किया था?**

**उत्तर:** बुनकरों के ऊपर सुपरवाइजर

**प्रश्न 4 नए उपभोक्ता तैयार करने के लिए कौन सा तरीका है ?**

**उत्तर:** विज्ञापनों द्वारा

**प्रश्न 5 औद्योगीकरण के सबसे पहले चरण में इंग्लैंड के मुख्य उद्योग कौन से थे?**

**उत्तर:** कपास और धातु उद्योग।

**प्रश्न 6 स्पिनिंग जैनी ने किस प्रक्रिया में वृद्धि की ?**

**उत्तर:** कताई

**प्रश्न 7 यूरोपीय प्रबन्धक एजेन्सियों की भारत में किस प्रकार के उद्योगों में रूचि थी?**

**उत्तर:** चाय और कॉफी के रोपण में।

**प्रश्न 8 संसार में वस्तुओं की माँग में वृद्धि के दो कारण बताओ?**

**उत्तर:**

- विश्व व्यापार का विस्तार
- विश्व में उपनिवेशवाद की स्थापना।

**प्रश्न 9 शहरी उत्पादक उत्पादन को कैसे नियंत्रित करते थे ?**

**उत्तर:** सौदागर किसानों को ऋण देते थे।

**प्रश्न 10 उद्योगपति मशीन का प्रयोग क्यों नहीं करना चाहते थे ?**

**उत्तर:** सस्ते मानव श्रम का उपलब्ध होना।

**प्रश्न 11 ब्रिटेन के दो सबसे अधिक महत्वपूर्ण उद्योगों के नाम लिखें।**

**उत्तर:** सूती उद्योग, स्टील उद्योग।

**प्रश्न 12 इंग्लैण्ड में 1840 के पश्चात् स्टील की मांग क्यों बढ़ी?**

**उत्तर:**

- रेलवे के प्रसार के लिए तथा 1860 के पश्चात् उपनिवेशों में भी । रेलवे का प्रसार जरूरी थी।
- ब्रिटेन स्टील का निर्यात भी करने लगा

## 3/5 अंक वाले प्रश्न

---

**प्रश्न 1 मैनचेस्टर के आगमन से भारतीय बुनकरों के सामने क्या समस्या थी?**

**उत्तर:**

- भारत के कपड़ा निर्यात में कमी
- ईस्ट इंडिया कंपनी पर कपड़ा बेचने का दबाव।
- कम लागत
- स्थानीय बाजार सिकुड़ने लगे।
- अच्छी कपास न मिलना।

**प्रश्न 2 प्रथम विश्व युद्ध के समय भारत के औद्योगिक उत्पादन बढ़ने के क्या कारण थे?**

**उत्तर:**

- अंग्रेजों की युद्ध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई फैक्ट्रियाँ स्थापित की गईं।
- वर्दी के कपड़े, टैंट और चमड़े के जूते आदि सामान बनाने के लिए।
- नए मजदूर काम पर लगा दिए गए और काम करने का समय बढ़ा दिया गया।

**प्रश्न 3 1930 की महामन्दी के कारण लिखो ?**

**उत्तर:**

- प्रथम विश्व युद्ध के बाद निर्यात घटा।
- अमेरिकी पूंजीपतियों द्वारा यूरोपीय देशों के लिए कर्जे बन्द।
- कृषि में अति उत्पादन।
- उद्योगों में मशीनीकरण।

**प्रश्न 4 नए सौदागरों का शहरों में व्यापार स्थापित करना कठिन क्यों था?**

**उत्तर:**

- शहरों में उत्पादकों के संगठन और गिल्ड काफी शक्तिशाली थे।
- कारीगरों को प्रशिक्षण देते थे।
- उत्पादकों पर नियंत्रण रखते थे।
- नए लोगों को अपने व्यवसाय में आने से रोकते थे।

**प्रश्न 5 नए उद्योगपति परंपरागत उद्योगों की जगह क्यों नहीं ले सके ?**

**उत्तर:**

- औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों की संख्या कम थी।
- प्रौद्योगिकीय बदलाव की गति धीमी थी।
- कपड़ा उद्योग एक गतिशील उद्योग था।
- प्रौद्योगिकी काफी महँगी थी।
- उत्पादन का एक बड़ा भाग कारखानों की बजाय गृह उद्योग से पूरा होता था।

**प्रश्न 6 भारतीय सौदागरों के नियंत्रण वाला नेटवर्क क्यों टूटने लगा था ?**

**उत्तर:**

- यूरोपीय कम्पनियों ने धीरे-धीरे स्थानीय अदालतों से विभिन्न प्रकार की रियायतें प्राप्त करके व्यापार पर अधिकार प्राप्त कर लिया था।
- बाद में व्यापार पर एकाधिकार प्राप्त कर लिया।
- सूरत और हुगली के बंदरगाहों पर व्यापार घटने लगा।

**प्रश्न 7 ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारत में बुनकरों पर निगरानी रखने के लिए गुमाश्तों को नियुक्त क्यों किया था?**

**उत्तर:**

- वे बुनकरों को कर्ज देते थे।
- ताकि वे किसी और व्यापारी को अपना माल तैयार करके न दे सके।
- वे खुद कपड़ों की गुणवत्ता की जाँच करते थे।

**प्रश्न 8 जॉबर कौन थे ? नई कारखाना प्रणाली में उनकी क्या स्थिति थी?**

**उत्तर:**

- उद्योगपतियों ने मजदूरों की भर्ती के लिए जॉबर रखा था।
- जॉबर कोई पुराना विश्वस्त कर्मचारी होता था।
- वह गाँव से लोगों को लाता था।
- काम का भरोसा देता तथा शहर में बसने के लिए मदद देता।

- जॉबर मदद के बदले पैसे व तोहफों की मांग करने लगा।

**प्रश्न 9 ब्रिटिश निर्माताओं ने विज्ञापनों की मदद से भारतीय व्यापार पर किस प्रकार कब्जा किया ?**

**उत्तर:**

- उत्पादों को बेचने के लिए कैलेण्डर अखबारों व मैग्जीन का प्रयोग।
- लेबलों पर भारतीय देवी देवताओं की तस्वीर लगी होती थी।
- विदेश में बनी चीज भी भारतीयों को जानी पहचानी लगती थी।

**प्रश्न 10 बाजार से श्रम की बहुतायत से श्रमिकों का जीवन कैसे प्रभावित हुआ ?**

**उत्तर:**

- शहर में नौकरी की संभावनाओं की खबर सुनते ही श्रमिक शहरों की तरफ दौड़ पड़े।
- जिनके सगे-सम्बन्धी शहरों में पहले से ही कार्यरत थे उनके जरिए नए लोगों को नौकरी मिल सकती थी।
- जिनका शहरों में कोई नहीं था वे हफ्तों भर प्रतीक्षा करते थे तथा पुलों के नीचे या रैन बसेरों में रात गुजारते थे।

**प्रश्न 11 19वीं शताब्दी में यूरोप के उद्योगपति मशीनों की अपेक्षा हाथ के श्रम को अधिक पसंद क्यों करते थे ?**

**उत्तर:**

- ब्रिटेन में उद्योगपतियों को मानव श्रम की कोई कमी नहीं थी।
- वे मशीन इसलिए लगाना नहीं चाहते थे क्योंकि मशीनों के लिए अधिक पूंजी निवेश करनी पड़ती थी।
- कुछ मौसमी उद्योगों के लिए वे उद्योगों में श्रमिकों द्वारा हाथ से काम करवाना अच्छा समझते थे।
- बाजार में अक्सर बारीक डिजाइन और खास आकारों वाली चीजों की माँग रहती थी जो हस्त कौशल पर निर्भर थी।